अभ्यास प्रश्न पत्र–I

राजनीति शास्त्र

कक्षा : XI

समयः 3 घंटे **पूर्णांकः 100**

सामान्य निर्देशः

i) सभी प्रश्न अनिवार्य है

ii) प्रश्न संख्या 1 से 5 तक सभी प्रश्न एक–एक अंक के है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

iii) प्रश्न संख्या 6 से 10 तक सभी प्रश्न दो–दो अंक के है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

iv) प्रश्न संख्या 11 से 16 तक सभी प्रश्न चार–चार अंको के है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

v) प्रश्न संख्या 17 से 18 कार्टून पर आधारित है। इनके पांच–पांच अंक है।

vi) प्रश्न संख्या 19 से 21 गद्यांश (पैराग्राफ) पर आधारित है। इनके अंक भी पांच–पांच है।

vii) प्रश्न संख्या 22 से 27 दीर्घ उत्तरीय है। सभी प्रश्न छः–छः अंको के है। इनके उत्तर 150 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. अमेरिका के संविधान से कौन से दो प्रावधान भारत के संविधान में शामिल किए गए हैं?

2. द्वि–सदनात्मक विधायिका से क्या अभिप्राय है?

3. भारत के वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त कौन हैं?

4. राजनीति शब्द से आप क्या समझते हैं?

5. कार्यपालिका क्या है?

6. लोकसभा राज्यसभा से ज्यादा शक्तिशाली क्यों है?

7. नीति निर्देशक तत्व क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?

8. चुनाव आयोग के क्या कार्य है?

9. राष्ट्रपति की दो विशेष शक्तियाँ कौन–कौन सी हैं?

10. ‘फर्स्ट पास्ट द पोस्ट’ क्या है?

11. मॉचल लांलुग को किस अधिकार से वंचित रखा गया था?

12. विभिन्न प्रकार की कार्यपालिका के विषय में बताऐं?

13. नेपाल को नया संविधान बनाने में किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था?

14. भारत में लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को क्यों अपनाया गया?

15. स्थायी नौकरशाही से आप क्या समझते हैं, इसका निर्माण किस प्रकार होता है?

16. संवैधानिक उपचारों के अधिकार का वर्णन करें?

17. कार्टून को ध्यानपूर्वक देखें और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:–

(i) नेताजी चुनाव आयोग से डरते क्यों हैं?

(ii) लोकतंत्र में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों की चुनौती नेताओं के लिए कभी–कभी समस्या बन जाती है – अपने विचार लिखें?

(iii) आचार संहिता किसे कहते हैं?

18. दी गई तस्वीर को ध्यान से देखें और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:–

(i) सरकार से विरोध दर्ज कराने का आम तरीका है, सदन से 'वाकआउट' करना, क्या यह काम जरुरत से ज्यादा हुआ है – अपने विचार बताऐं? (2)

(ii) सरकार पर नियंत्रण रखने के लिए विधानपालिका कौन–कौन से तरीके अपनाती है? (2)

(iii) प्रश्नकाल क्या है? (1)

19. निम्न अनुच्छेद को पढ़े और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दे?

शासकीय संस्थाओं की सर्वाधिक संतुलित व्यवस्था स्थापित करने में हमारे संविधान निर्माताओं ने दूसरे देशों के प्रयोगों और अनुभवों से कुछ सीखने में कोई संकोच नहीं किया। इसी प्रकार हमारे संविधान निर्माताओं ने अन्य संवैधानिक परंपराओं से कुछ ग्रहण करने से भी कोई परहेज नहीं किया। यह उनके व्यापक ज्ञान का प्रमाण है कि उन्होंने किसी भी ऐसे बौद्धिक तर्क या ऐतिहासिक उदाहरण की अनदेखी नहीं की जो उनके कार्य को संपन्न करने के लिए जरूरी था। अतः उन्होंने विभिन्न देशों से अनेक प्रावधानों को भी लिया। लेकिन उन विचारों को लेना कोई नकलची मानसिकता का परिणाम नहीं था बल्कि बात इससे बिल्कुल अलग थी। संविधान के प्रत्येक प्रावधान को इस आधार पर उचित सिद्ध करना था कि वह भारत की समस्याओं और आशाओं के अनुरूप है। यह भारत का सौभाग्य ही था कि हमारी संविधान सभा ने संकुचित दृष्टिकोण छोड़कर संपूर्ण विश्व की सर्वोत्तम चीजों को ग्रहण किया और उन्हें अपना बना लिया।

(i) हमारे संविधान निर्माताओं ने अन्य संवैधानिक परंपराओं से कुछ ग्रहण से कोई परहेज नहीं किया – स्पष्ट करें?

(ii) स्पष्ट करें कि संविधान के प्रत्येक प्रावधान को इस आधार पर उचित सिद्ध करना था कि भारत की समस्याओं और आशाओं के अनुरूप है?

(iii) हमारी संविधान सभा ने विश्व की कौन–सी सर्वोत्तम चीजों को ग्रहण किया?

20. नागरिकता को किसी राजनीतिक समुदाय की पूर्ण और समान सदस्यता के रूप में परिभाषित किया गया है। समकालीन विश्व में राष्ट्रों ने अपने सदस्यों को एक सामूहिक राजनीतिक पहचान के साथ–साथ कुछ अधिकार भी दिए हैं। इसलिए हम संबद्ध राष्ट्र के आधार पर स्वयं को भारतीय, जापानी या जर्मन मानते हैं। नागरिक अपने राष्ट्र से कुछ मुलभूत अधिकारों के अतिरिक्त कहीं भी यात्रा करने में सहयोग और सुरक्षा की आशा रखता है।

(i) उपरोक्त विवरण के आधार पर नागरिकता को परिभाषित करें?

(ii) कोई व्यक्ति भारतीय, जर्मन, जापानी आदि–आदि कब कहलाता है?

(iii) नागरिकता का आपकी दृष्टि में क्या महत्व है?

21. दिये गये अवतरण को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

संसदीय शासन में, विधायिका प्रशासन को नियंत्रित करती है। यह मंत्री की जिम्मेदारी है कि प्रशासन पर राजनीति नियंत्रण बनाए रखें। भारत में एक दक्ष प्रशासनिक मशीनरी मौजूद है। लेकिन यह मशीनरी राजनीतिक रूप से उत्तरदायी है। नौकरशाही से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह राजनीतिक रूप से तटस्थ हो। इसका अर्थ यह है कि नौकरशाही नीतियों पर विचार करते समय किसी राजनीतिक दृष्टिकोण का समर्थन नहीं करेगी। प्रजातंत्र में यह संभव है कि कोई पार्टी चुनाव में हार जाए और नई सरकार पिछली सरकार की नीतियों की जगह नई नीतियाँ अपनाना चाहे। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक मशीनरी की जिम्मेदारी है कि वह नई सरकार को अपनी नीति बनाने और उसे लागू करने में मदद करे।

(I) क्या नौकरशाही राजनीतिक रूप से तटस्थ होती है? 1

(ii) किसी सरकार को चलाने में प्रशासनिक मशीनरी का योगदान बताएं? 3

(iii) संसदीय शासन में प्रशासन को कौन नियंत्रित करती है? 1

22. भारत में संसद के कार्यों का विश्लेषण करें?

अथवा

संसदीय नियंत्रण के कोई तीन आयामों का वर्णन करें?

23. राष्ट्रपति के चुनाव प्रक्रिया को विस्तार से बताएं?

अथवा

राज्यपाल की नियुक्ति, शक्तियाँ तथा स्थिति की विवेचना करें?

24. संविधान क्या है? हमें इसकी आवश्यकता क्यों है?

अथवा

उन पहलूओं का विश्लेषण करें, जो भारतीय संविधान को एक प्रभावी संविधान के रूप में दर्शाते हैं?

25. बिल कानून का रूप में कैसे परिवर्तित होता है?

अथवा

कानून प्रक्रिया में संसदीय समितियों का क्या योगदान है?

26. मौलिक अधिकार तथा नीति निदेशक तत्वों में क्या संबंध है?

अथवा

किन्हीं तीन मौलिक अधिकारों का वर्णन करें।

27. भारत में पंचायती राज के संगठन की व्याख्या करें।

अथवा

भारत में नगरपालिकाओं के गठन, शक्तियों तथा कार्यों की विवेचना करें।